The Himachal times. 1March, 2022

drugs," police said.

FRI organizes experience sharing workshop on 'Forest Genetic Resource Documentation, Characterization and Conservation'

Dehradun, Feb 28 (HTNS) : Forest Research Institute Dehradun organised an experience sharing workshop for the state forest department of Uttarakhand, Uttar Pradesh, Haryana and Punjab on 'Forest Genetic Resource Documentation, Characterization and Conservation'. A total of 50 delegates/officers representing state forest departments of Uttarakhand, Haryana, Punjab and Uttar Pradesh and Scientists of FRI participated in the workshop. FRI executed a PILOT project on Forest Genetic Resource Characterization and Conservation of Uttarakhand.

The salient outcomes of the project were discussed with officials of the Uttarakhand Forest Department. In the workshop, the Scientists of FRI shared information on the assessment of forest genetic resources of Uttarakhand through identification, documentation in the form of digital platform, eco-distribution mapping etc. The major aim for conducting the workshop was to share the knowledge base of FGRs for developing short term and long-term conservation plans on forestry species.

The new technologies were discussed to develop genetically differentiated germplasm in native range of Himalayan ecosystem and also assessed the gaps that have been identified for the development and transfer of technology.

On this occasion, Chandra Prakash Goyal Director General of Forests and Special Secretary to Govt. of India, MoEF&CC, Arun Singh Rawat Director General ICFRE, Subhash Chandra, Chief Executive Officer, National Authority –CAMPA, MoEF&CC and Dr. H.S. Ginwal, National Project Coordinator-FGR addressed the delegates.

Scientists from FRI present were Dr. N.K. Upreti, GCR FRI, Dr. Ajay Thakur, Dr. Manisha Thapliyal, Dr. Anup Chandra, Dr. Amit Pandey, Dr. V.K. Varshney, Dr. Dinesh Kumar, Dr. Ranjana, Dr. Ramakant and Dr. P.S. Rawat.

Created with Mi Notes

Amar Ujala.
1March, 2022

वन आनुवंशिक संसाधन प्रलेखन, विशेषता और संरक्षण पर एफआरआई के सभागार में आयोजित कार्यशाला में प्रतिभाग करते विभिन्न राज्यों के प्रतिनिधि। अमर उजाला

चार राज्यों के वन अधिकारियों ने साझा किए अपने अनुभव

संवाद न्यूज एजेंसी

देहरादून। वन अनुसंधान संस्थान (एफआरआई) की ओर से 'वन आनुवंशिक संसाधन प्रलेखन, विशेषता और संरक्षण' विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में उत्तराखंड समेत उत्तर प्रदेश, हरियाणा और पंजाब के वन अधिकारियों ने अपने अनुभव साझा किए।

कार्यशाला में एफआरआई के वैज्ञानिकों ने पहचान, डिजिटल प्लेटफॉर्म के रूप में दस्तावेजीकरण, आनुवंशिक विविधता और जैव-रासायनिक लक्षण वर्णन, रोग सर्वेक्षण, प्रसार तकनीकों के विकास के माध्यम से उत्तराखंड के वन आनुवंशिक संसाधनों के आकलन पर जानकारी साझा की। कार्यशाला आयोजित करने का मुख्य उद्देश्य वानिकी प्रजातियों पर अल्पकालिक और दीर्घकालिक संरक्षण योजनाओं को विकसित करने के लिए एफजीआर के ज्ञान आधार को साझा करना था। कार्यशाला में वन और सरकार के विशेष सचिव चंद्र प्रकाश गोयल, आईसीएफआरई के निदेशक अरुण सिंह रावत, राष्ट्रीय प्राधिकरण कैंपा, पर्यावरण एवं वन मंत्रालय के मुख्य कार्यकारी अधिकारी सुभाष चंद्रा, एफजीआर के राष्ट्रीय परियोजना समन्वयक डॉ. एचएस जिनवाल, एफआरआई के वैज्ञानिक डॉ. एनके उप्रेती, डॉ. अजय ठाकुर, डॉ. मनीषा थपलियाल मौजूद रहे।

Created with Mi Notes

Dainik Jagran.
1March, 2022

चार राज्यों के अधिकारियों ने सीखे वन संरक्षण के गुर

जागरण संवाददाता, देहरादून: वन अनुसंधान संस्थान (एफआरआइ) में उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, हरियाणा और पंजाब के वन अधिकारियों ने वन संरक्षण के गुर सीखे। इसके लिए सोमवार को संस्थान में वन आनुवांशिक संसाधन प्रलेखन, विशेषता और संरक्षण विषय पर कार्यशाला आयोजित की गई। इसमें 70 वन अधिकारियों ने एफआरआइ के विज्ञानियों के साथ वनों के संरक्षण पर मंथन किया।

कार्यशाला का आयोजन एफआरआइ ने पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के राष्ट्रीय कैंपा प्राधिकरण के साथ मिलकर किया। इस दौरान एफआरआइ के विज्ञानियों ने दस्तावेजीकरण, पर्यावरण-वितरण मानचित्रण, आनुवांशिक विविधता, जैव रासायनिक लक्षण की पहचान, प्रसार तकनीकों के विकास के माध्यम से उत्तराखंड के वन आनुवांशिक संसाधनों के आकलन पर जानकारी साझा की। कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य वानिकी प्रजातियों के लिए अल्पकालिक और दीर्घकालिक संरक्षण योजनाओं को विकसित करने के लिए ज्ञान साझा करना था। कार्यशाला में हिमालयी पारिस्थितिकी तंत्र में जर्मप्लाज्म विकसित करने के लिए नई तकनीकों पर चर्चा की गई। कार्यशाला में महानिदेशक वन एवं केंद्र सरकार के विशेष सचिव चंद्र प्रकाश गोयल, आइसीएफआरई के निदेशक अरुण सिंह, राष्ट्रीय कैंपा प्राधिकरण के मुख्य कार्यकारी अधिकारी सुभाष चंद्रा मौजूद रहे।

Created with Mi Notes

Garhwal Post.

1March,2022

FRI holds workshop on 'Forest Genetic Resource Documentation'

By OUR STAFF REPORTER

DEHRADUN, 28 Feb: Forest Research Institute organised an experience sharing workshop for the state forest departments of Uttarakhand, Uttar Pradesh, Haryana and Punjab on 'Forest Genetic Resource Documentation, Characterisation and Conservation', here, today. A total of 50 delegates and officers representing state forest departments of Uttarakhand, Haryana, Punjab and Uttar Pradesh and scientists of FRI participated in the workshop.

FRI executed a pilot project on Forest Genetic Resource Characterisation and Conservation of Uttarakhand sponsored by the National-CAMPA authority of Union Ministry of Environment Forests and Climate Change. The salient outcomes of the project were discussed with officials of the Uttarakhand Forest Department.

In the workshop, the Scientists of FRI shared information on the assessment of forest genetic resources of Uttarakhand through identification, documentation in the form of digital platform, eco-distribution mapping, genetic diversity and bio-chemical characterisation, disease survey, development of propagation techniques and, finally, in situ and ex situ germplasm conservation approaches. The major aim of conducting the workshop was to share the knowledge base of FGRs for developing short term and long-term conservation plans on forestry species. The new technologies were discussed to develop genetically differentiated germplasm in native range of Himalayan ecosystem and also assessed the gaps that have been identified for the development and transfer of technology.

On this occasion, Chandra Prakash Goyal, Director General of Forests and Special Secretary to Government of India, MoEF&CC; Arun Singh Rawat Director General, ICFRE; Subhash Chandra, Chief Executive Officer, National Authority –CAMPA, MoEF&CC; and Dr HS Ginwal, National Project Coordinator-FGR, addressed the delegates. Scientists from FRI present were Dr NK Upreti, Dr Ajay Thakur, Dr Manisha Thapliyal, Dr Anup Chandra, Dr Amit Pandey, Dr VK Varshney, Dr Dinesh Kumar, Dr Ranjana, Dr Ramakant, and Dr PS Rawat. Rapporteurs Dr MS Bhandari and RK Meena, along with other scientists, research scholars and students were also present in the seminar.

Created with Mi Notes

Shah Times.
1 March, 2022

एफआरआई में कार्यशाला का आयोजन

शाह टाइम्स संवाददाता

देहरादून। वन अनुसंधान संस्थान(एफआरआई) देहरादून ने वन आनुवंशिक संसाधन प्रलेखन, विशेषता और संरक्षण पर उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, हरियाणा और पंजाब के राज्य वन विभाग के लिए एक अनुभव साझा कार्यशाला का आयोजन किया। कार्यशाला में उत्तराखंड, हरियाणा, पंजाब और उत्तर प्रदेश के राज्य वन विभागों का प्रतिनिधित्व करने वाले कुल 70 प्रति. निधियों / अधिकारियों और एफआरआई के वैज्ञानिकों ने भाग लिया।

■ उत्तराखण्ड, हरियाणा पंजाब और उत्तर प्रदेश के 70 प्रतिनिधि हुए शामिल

एफआरआई ने पर्यावरण वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के राष्ट्रीय-कैम्पा प्राधिकरण द्वारा प्रायोजित वन आनुवंशिक संसाधन विशेषता और उत्तराखंड के संरक्षण पर एक पायलट परियोजना को क्रियान्वित किया। परियोजना के मुख्य परिणामों पर उत्तराखंड वन विभाग के अधिकारियों के साथ चर्चा की गई। कार्यशाला में एफआरआई के वैज्ञानिकों ने पहचान, डिजिटल प्लेटफॉर्म के रूप में दस्तावेजीकरण, पर्यावरण-वितरण मानचित्रण, आनुवंशिक विविधता और जैव-रासायनिक लक्षण वर्णन, रोग सर्वेक्षण, प्रसार तकनीकों के विकास के माध्यम से उत्तराखंड के वन आनुवंशिक संसाधनों के आकलन पर जानकारी साझा की। कार्यशाला आयोजित करने का मुख्य उद्देश्य वानिकी प्रजातियों पर अल्पकालिक और दीर्घकालिक संरक्षण योजनाओं को विकसित करने के लिए एफजीआर के ज्ञान आधार को साझा करना था। हिमालयी पारिस्थितिकी तंत्र की मूल श्रेणी में आनुवंशिक रूप से विभेदित जर्मप्लाज्म विकसित करने के लिए नई तकनीकों पर चर्चा की गई और उन अंतरालों का भी आकलन किया गया जिन्हें प्रौद्योगिकी के विकास और हस्तांतरण के लिए पहचाना गया है। इस अवसर पर चंद्र प्रकाश गोयल महानिदेशक वन और सरकार के विशेष सचिव,MoEFCC, अरुण सिंह रावत महानिदेशक आईसीएफआरई, सुभाष चंद्रा, मुख्य कार्यकारी अधिकारी, राष्ट्रीय प्राधिकरण-कैम्पा, पर्यावरण एवं वन मंत्रालय और डॉ. एच.एस. जिनवाल, राष्ट्रीय परियोजना समन्वयक-एफजीआर ने प्रतिनिधियों को संबोधित किया। उपस्थित एफआरआई के वैज्ञानिक डॉ. एन.के. उप्रेती, जीसीआर एफआरआई, डॉ अजय ठाकुर, डॉ मनीषा थपलियाल, डॉ अनूप चंद्र, डॉ अमित पांडे, डॉ वी.के. वार्ष्णेय, डॉ. दिनेश कुमार, डॉ. रंजना, डॉ. रमाक. ांत, और डॉ. पी.एस. रावत मौजूद थे। प्रतिवेदक डॉ. एम.एस. भंडारी और आर के मीणा सहित अन्य वैज्ञानिक, शोधार्थी और छात्र भी संगोष्ठी में उपस्थित थे।

Created with Mi Notes

The Hawk.
1March, 2022

Neelkanth temple after 4 pm. —PTI

FRI Dehradun Organises Experience Sharing Workshop

Dehradun (The Hawk): Forest Research Institute Dehradun organised an experience sharing workshop for the state forest department of Uttarakhand, Uttar Pradesh, Haryana and Punjab on 'Forest Genetic Resource Documentation, Characterization and Conservation'. A total of 50 delegates/officers representing state forest departments of Uttarakhand, Haryana, Punjab and Uttar Pradesh and Scientists of FRI participated in the workshop. FRI executed a PILOT project on Forest Genetic Resource Characterization and Conservation of Uttarakhand sponsored by the National-CAMPA authority of Ministry of Environment Forests and Climate Change. The salient outcomes of the project were discussed with officials of the Uttarakhand Forest Department. In the workshop, the Scientists of FRI shared information on the assessment of forest genetic resources of Uttarakhand through identification, documentation in the form of digital platform, eco-distribution mapping, genetic diversity and bio-chemical characterization, disease survey, development of propagation techniques and finally in situ and ex situ germplasm conservation approaches. The major aim for conducting the workshop was to share the knowledge base of FGRs for developing short term and long-term conservation plans on forestry species. The new technologies were discussed to develop genetically differentiated germplasm in native range of Himalayan ecosystem and also assessed the gaps that have been identified for the development and transfer of technology. On this occasion, Sh. Chandra Prakash Goyal Director General of Forests and Special Secretary to Govt. of India, MoEF&CC, Shri Arun Singh Rawat Director General ICFRE, Sh. Subhash Chandra, Chief Executive Officer, National Authority -CAMPA, MoEF&CC and Dr. H.S. Ginwal, National Project Coordinator-FGR addressed the delegates. Scientists from FRI present wereDr. N.K. Upreti, GCR FRI, Dr. Ajay Thakur, Dr. Manisha Thapliyal, Dr. Anup Chandra, Dr. Amit Pandey, Dr. V.K. Varshney, Dr. Dinesh Kumar, Dr. Ranjana, Dr. Ramakant, and Dr. P.S. Rawat were present. Rapporteurs Dr. M.S. Bhandari and Shri R. K. Meena along with other scientists, research scholars and students were also present in the seminar.

Created with Mi Notes